>

Title: Need to revive sugarmills in Bihar.

डॉ. भोला सिंह (नवादा): अध्यक्ष महोदया, मैं आसन का शुक्रगुजार हूं कि आपने मुझे यह अवसर दिया है।

अध्यक्ष महोदया, अंग्रेज़ों के जमाने में बिहार में 38 चीनी मिलें चल रही थीं जो आज बंद हैं।

13.00 hrs.

बिहार सरकार ने बराबर केंद्र से आग्रह किया कि जिस तरह से महाराष्ट्र में, उत्तर प्रदेश में चीनी मिल चलाने के लिए इथेनॉल की अनुज्ञप्ति दी गयी है, बिहार में 38 चीनी मिलों को चलाने के लिए जो सैंकड़ों प्रस्ताव आये हैं, उनकी एक शर्त है कि हमें चीनी मिल खोलने के साथ-साथ इथेनॉल बनाने की भी अनुज्ञप्ति दी जाये। बिहार सरकार इस बारे में बराबर आग्रह करती रही है। इसी सदन में माननीय श्री शरद पवार जी ने एक बजट के सिलसिले में बोलते हुए कहा था कि हम बिहार को इथेनॉल की स्वीकृति देंगे। यद्यपि हमारे अनुभव ठीक नहीं हैं, लेकिन बिहार सरकार चाहती है तो हम इथेनॉल की अनुज्ञप्ति देंगे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

महोदया, मैं बिहार के नवादा जिले से आता हूं। इन 38 चीनी मिलों में एक वारिसलीगंज चीनी मिल भी है। मैं आपको बताऊं की रानी विक्टोरिया इस चीनी मिल की ही चीनी खाती थीं, दूसरी किसी चीनी मिल की चीनी नहीं खाती थीं। मैं सच कहता हूं कि नवादा और बिहार के हजारों लोग आज इस चीनी मिल के खुलने की आस में या तो मर गये या बूढ़े हो गये या वे आसमान की ओर देख रहे हैं।

मैं आपकी उपस्थिति में आग्रह करना चाहता हूं कि बिहार की एक प्रतिभा आसन पर बैठी है और प्रतिभा ही नहीं, मैं कहना चाहता हूं, समानता का वह आजीवन शाश्वत विद्रोही जगजीवन बाबू जो बाबू जी के नाम से भारत में प्रसिद्ध थे। आज उनके बिहार में हजारों लोग बेकार पड़े हुए हैं। हम आग्रह करना चाहते हैं कि केंद्र सरकार ने उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र के साथ जो व्यवहार किया है, बिहार के साथ भी वह वैसा ही व्यवहार करे और उसे अनुज्ञप्ति दे। इन्हीं शब्दों के साथ मैं अपनी बात समाप्त करता हूं। धन्यवाद।

MADAM SPEAKER: Rest of the 'Zero Hour' matters will be taken up at the end of the day.

The House stands adjourned to meet again at 2 p.m.

13.02 hrs.

The Lok Sabha then adjourned for Lunch till Fourteen of the Clock.

14.03 hrs.

The Lok Sabha re-assembled after lunch at three-minutes past Fourteen of the Clock.

(Mr. Deputy-Speaker *in the Chair*)